

अतेज वि. (तद्.) 1. तेजरहित, निस्तेज 2. अंधकारयुक्त 3. मंद, धुंधला, प्रकाशहीन पुं. धुंधलापन, प्रकाशहीनता अंधकार, मंदता 4. ओज का अभाव, सुस्ती।

अतैथिक वि. (तत्.) बिना तिथि या समय का, (पुरा) ऐसे पुरावशेष जिनकी तिथि शिला लेखों आदि से निर्धारित नहीं की जा सकती।

अतोल वि. (तद्.) 1. बिना तौला हुआ, जो तौल के बिना हो 2. जो कूता न गया हो।

अतौल वि. (तद्.) दे. अतोल।

अत्ता स्त्री. (तत्.) 1. माता 2. सास 3. बड़ी बहन 4. मौसी पुं. (तत्.) 1. चराचर का ग्रहण करने वाला 2. ईश्वर।

अत्तार पुं. (अ.) 1. इत्र बनाने वाला गंधी, 2. यूनानी औषधि बेचने वाला 3. साहसी, शूर वीर, दिलेर 3. बलिष्ठ घोड़ा।

अत्यंत वि. (तत्.) 1. बहुत अधिक, बेहद, अतिशय 2. हद से ज्यादा 3. स्थायी, चिरस्थायी।

अत्यंतता स्त्री. (तत्.) 1. आधिक्य, अतिशयता 2. उग्रता, प्रचंडता।

अत्यंत नूतन युग पुं. (तत्.) भूवि. भूवैज्ञानिक इतिहास के अंतिम दस लाख वर्ष, हिमयुग के नाम से विख्यात pleistocene epoch

अत्यंतवासी पुं. (तत्.) अंतेवासी, हमेशा आचार्य के साथ रहने वाला विद्यार्थी।

अत्यंत संयोग वि. (तत्.) अतिसामीप्य, अविच्छेद्य, बहुत समीपता, घनिष्ट समीपता, अबाध निरंतरता, अवियोज्य सह-अस्तित्व।

अत्यंतातिशयोक्ति स्त्री. (तत्.) अतिशयोक्ति अलंकार का एक भेद जिसमें कारण से पहले कार्य हो जाने की बात कही जाती है।

अत्यंताभाव पुं. (तत्.) किसी वस्तु का बिल्कुल न होना, सत्ता की नितांत शून्यता, प्रत्येक स्थिति में अनस्तित्व।

अत्यंतिक वि. (तत्.) 1. बहुत दूर तक जाने वाला 2. अत्यंत निकट स्थित, आसन्न।

अत्यंकुश वि. (तत्.) अंकुश को न मानने वाला, नियंत्रण न मानने वाला, उच्छृंखल।

अत्यग्नि वि. (तत्.) अग्नि से बढ़कर ताप वाला स्त्री. पाचन क्रिया का तेजी से होना।

अत्यधिक वि. (तत्.) 1. बहुत ज्यादा 2. सीमा से अधिक।

अत्यम्ल पुं. (तत्.) इमली वि. बहुत खट्टा/खट्टी।

अत्यय पुं. (तत्.) अवसान, लोपन, अंतः, उपसंहार, समाप्ति अनुपस्थिति, अदर्शन, मृत्यु, नाश, खतरा, संकट, चोट, दुख, अपराध, दोष, अतिक्रमण, आक्रमण, अभिमान।

अत्ययी वि. (तत्.) 1. अत्यय करने वाला, बढ़ा हुआ, आगे निकला हुआ 2. जो बीत गया हो, मृत, नष्ट, हृद से बाहर जाने वाला, दंड देने वाला, सजा देने वाला, कष्टदायक, दोषपूर्ण।

अत्यवरुद्ध वि. (तत्.) जिसका बहुत अवरोध हुआ हो, बहुत अवरुद्ध, बहुत अधिक रुका हुआ या रोका गया, अतिप्रच्छन्न, बुरी तरह घिरा हुआ, कठोरता से बंद, आधिक्य, ज्यादाती, मर्यादा।

अत्यष्टि स्त्री. (तत्.) 1. (अष्टि अर्थात् 16 वर्णों के चरण वाले छंद से बड़ा) 17 वर्ण वाले चार चरणों वाला छंद 2. शिखरिणी, मंदाक्रांता आदि छंद।

अत्याग पुं. (तत्.) त्याग न करने की स्थिति, ग्रहण, स्वीकार।

अत्यागी वि. (तत्.) विषयों का त्याग न कर उनमें लिप्त रहने वाला, विषयासक्त।

अत्याचार पुं. (तत्.) 1. आचार का अतिक्रमण, अन्याय 2. ज्यादाती 3. दुराचार, पाप।

अत्याचारी वि. (तत्.) 1. अत्याचार करने वाला, दुराचारी, अन्यायी 2. निष्ठुर 3. पाखंडी, ढोंगी, ढकोसलेबाज।